FORM NO. III

फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी, जैतारण (पाली)

शंकरसिंह बनाम [illegible]

किस्म मुकदमा राजस्व वाद नं. 131 / सन् 2014

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामिल में जारी हुए
.6.14	वकील वादी उपस्थित। वकील वादी ने एक राजस्व वाद पत्र विरुद्ध प्रतिवादीगण अन्तर्गत धारा 53 व 92 A RT Act के तहत पेश किया हैं। राजस्व वाद दर्ज रजिस्टर किया जावें। प्रतिवादीगण को जरिये सम्मनस तलब किये जावे। पत्रावली आयन्दा दिनांक 3/7/14 को पेश हो। SDO	621 19-6-14
3/7/14	पत्रावली पेश हुई आज S.D.O. साहब दौरे पर, दिगर कार्य मे व्यस्त वकीलों द्वारा कोर्ट कार्य स्थगित रखने से पत्रावली आयन्दा दिनांक 15/7/2014 को पेश हों।	
15/07/14	पत्रावली पेश हुई आज S.D.O. साहब दौरे पर, दिगर कार्य मे व्यस्त वकीलों द्वारा कोर्ट कार्य स्थगित रखने से पत्रावली आयन्दा दिनांक 02/09 20.14 को पेश हों।	
02/9/14	पत्रावली पेश हुई आज S.D.O. साहब दौरे पर, दिगर कार्य मे व्यस्त वकीलों द्वारा कोर्ट कार्य स्थगित रखने से पत्रावली आयन्दा दिनांक 21/10/ 20.14. को पेश हों।	
21/10/14	पत्रावली पेश हुई आज S.D.O. साहब दौरे पर, दिगर कार्य मे व्यस्त वकीलों द्वारा कोर्ट कार्य स्थगित रखने से पत्रावली आयन्दा दिनांक 24/11/ 20.14 को पेश हों।	
.11.14	वकील वादी उपस्थित। [illegible] प्रति॰सं॰ 17 का [illegible] तामील [illegible] की अनुपस्थिति रहने से इनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जाती है। प्रति॰सं॰ 1 से 16 की पुनः तलबी कार्यवाही की जाती है। [illegible] सही पते से सम्मन/तलबाना पेश [illegible] समयावधि पर सहित किया जाता है। पत्रावली आयन्दा दिनांक 12-02-2015 को पेश हो। SDO	
12-02-15	पत्रावली पेश हुई आज S.D.O. साहब दौरे पर, दिगर कार्य मे व्यस्त [illegible] द्वारा कोर्ट कार्य स्थगित रखने से पत्रावली आयन्दा दिनांक 08-04-15 को पेश हों।	
08-04-15	वकील वादी उपस्थित [illegible] पत्रावली [illegible] वादी की [illegible] पत्रावली आयन्दा दि॰ 22-06-15 को [illegible] पेश किया [illegible]	
22-6-15	पत्रावली [illegible] राजस्व लोक अदालत-राजस्व [illegible] में पेश हुई	

Scanned by CamScanner

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
	दिनांक 08-04-2015 को श्री मिश्रा एडवो० ने वकालतनामा पेश किया, सागर सिंह वकील [illegible] उपस्थित वकील मय वादी ने एक प्रा०पत्र पेश कर निवेदन किया कि उक्त [illegible] के मुकदमे में हम पक्षकारान के आपसी राजीनामा हो जाने से दावा विड्रॉवल कराना चाहते हैं, वाद उक्त को आगे नहीं चलाना चाहते हैं लिहाजा वादी का वाद जरिए विड्रॉवल खारिज किये जाने की प्रार्थना की है। अतः इस प्रार्थना पत्र वकील मय वादी का उक्त वाद जरिए विड्रॉवल खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर [illegible] से बाद तकमील जाब्ता दाखिल दफ्तर [illegible] जमा हो। ह० [illegible]
अधि० [illegible] [illegible]	

Scanned by CamScanner